जनपद औरैया की भ्रमण निरीक्षण आख्या

भ्रमण टीम– डॉ0 एम.आर. गौतम, महाप्रबंधक–राष्टीय कार्यक्रम डॉ0 पी.के. गंगवार, सलाहकार–राष्टीय कार्यक्रम श्री परमहंस कुशवाहा, कार्यक्रम समन्वयक–आर.बी.एस.के.	**दिनांक–** 16 से 18.12.2015 **स्थान –** जनपद– औरैया

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–बिधूना

टीम द्वारा सी.एच.सी. बिधूना का भ्रमण किया गया। अधीक्षक डा0 वी.पी. शाक्या द्वारा सी.एच.सी का संचालन किया जा रहा है। विजिट के दौरान निम्न बिन्दु निकलकर आये–

- चिकित्सालय परिसर की साफ सफाई संतोषजनक थी।
- तेगबहादूर जयन्ती के अवकाश होने के कारण केवल आकस्मिक सेवायें प्रदान की जा रही थी।
- सी.एच.सी. पर ए.एन.एम. की वीएचएनडी प्रशिक्षण चल रही थी, प्रशिक्षण के लिए उपयुक्त स्थल नहीं था, सभी प्रतिभागी फर्श पर बैठ कर प्रशिक्षण ले रहे थे। आई.सी.डी. एस के प्रतिनिधि एवं पोषण मिशन के डा0 अनिल कुमार, मण्डलीय सलाहकार उपस्थित थे।
- प्रशिक्षण के दौरान टीम द्वारा ए.एन.एम से पूछने पर पता चला कि हीमोग्लोबीन टेस्ट करने हेतु लेनसेट की जानकारी नहीं थी वे टेस्ट हेतु निडिल का प्रयोग करती है। ए.एन.एम. को सही ढंग से बी.पी. नहीं लेने आ रहा था तो प्रशिक्षण सत्र के दौरान ही डा0 एम.आर.गौतम जी द्वारा बी0पी0 मापने के तरीके बताये गये।
- ए.एन.एम का प्रशिक्षण होने के कारण आर0आई सेशन बुधवार को नहीं हो पाया।
- प्रशिक्षण कलेण्डर तैयार कराते समय इस बात का ध्यान नही दिया गया कि बुधवार को टीकाकरण का सत्र बाधित होगा।
- लेवर रुम के रखरखाव की स्थिति असंतोषजनक थी।
- नवाजात शिशु देखभाल कक्ष की स्थिंति बेहद खराब थी, जिसके अन्दर समान अव्यवस्थित था, आवश्यक उपकरण के अलावा अन्य समान पड़ा हुआ था। भण्डार कक्ष की तरह उपयोग किया जा रहा था, देखने से प्रतीत होता था कि इसमें किसी बच्चे को उपचारित ही नही किया गया है। यह एक महत्वपूर्ण कार्य है जिसपर संबेदनशीलता नहीं दिख रही थी। कमरे के अन्दर नया रेडियेन्ट वार्मर रखा हुआ था जो उपयोग नहीं किया जा रहा था।
- महिला वार्ड में कुल 6 मरीज भर्ती थे तथा एक मरीज के पास बच्चे के नाभी पर लगाने के लिए सरसो का तेल रखा हुआ था। इससे प्रतीत होता है कि प्रसव पूर्ण काउन्सलिंग नही की गई है।
- प्रसव के तुरन्त बाद बच्चों का स्तनपान कराया गया था।
- वार्ड में मरीजों को अस्पताल से कम्बल नहीं दिये गये थे।

- महिला वार्ड में बिजली का स्वीच वोर्ड टूटा हुआ था तथा कमरे में चूहे घूम रहे थे।
- बायो वेस्ट प्रबंधन की कोई व्यवस्था नहीं थी।
- आई.ई.सी. हेतु वाल पेन्टिंग अपर्याप्त थी।
- औषधि वितरण कक्ष में स्टोरेज डीफ्रीज रखा हुआ था, जिसमें लागबुक एवं थर्मामीटर नही थे। फार्मासिस्ट ने बताया कि एन्टी रैबिक वैकसीन का भण्डारण किया जाता है।
- राज्य स्तर से उपलब्ध कराये गये बड़े साइज के प्रसव रजिस्टर उपलब्ध नहीं थे।
- आर.बी.एस.के. का माईक्रोप्लान निर्धारित फार्मेट पर नहीं बना हुआ था।
- डेन्टल यूनिट अक्रियाशील थी।
- मरीजों के लिए कहीं भी टीवी नहीं लगा हुआ था, जबकि अधीक्षक ने बताया कि टीवी उपलब्ध है।
- अस्पताल का समय सारणी, जे.एस.वाई इनटाइटलमेन्ट नहीं लिखा हुआ था।,
- शिकायत पेटिका नहीं बना हुआ।
- RMNCH+A 5 x 5 मैट्रिक्स का डिसप्ले कहीं नहीं है।
- शौचालय का स्थिति बहुत दयनीय है।
- चिकित्सालय तक पहुचने के लिए साइनेजेज नहीं लगे हुए थे।

जिला संयुक्त चिकित्सालय–औरैया

टीम द्वारा जिला चिकित्सालय का भ्रमण किया गया। चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 एन.के. मिश्रा है। विजिट के दौरान निम्न बिन्दु निकलकर आये–

- चिकित्सालय में एक्स रे एवं अल्डासाउण्ड मशीने लगी थी जिससे मरीजों को जॉच की जा रही थी। ओ.पी.डी में व्यवस्था अच्छी थी।
- लेवर रुम 4 बेड था सभी अव्यवस्थित दिखा, बेड पर कोई चादर नही था। कैलिस पैड नहीं था। बेड पर जंग लगा हुआ था।
- प्रसव पंजिका के कॉलम में सही सूचना नहीं भरी हुई थी, मरीजो को जहॉ रेफर किया जाता है वहॉ के चिकित्सालय के अधिकारियों के फोन नम्बर व पता नहीं था। मेडिसीन ट्रे कहीं नही दिखा।
- लेवर रुम से सटा टायलेट नहीं है।
- न्यू बेबी केयर यूनिट नहीं है।
- आई.एफ.ए. ब्लू की छोटी एवं बड़ी गोली उपलब्ध नहीं थी।
- महिला वार्ड के शीशे टूटे मिले तथा बेड पर चादर नही थे। मरीजों को कम्बल भी नहीं दिया गया था, टीम द्वारा सभी महिला मरीजों को कम्बल उपलब्ध कराया गया।
- टायलेट बहुत गन्दे थे।
- जे.एस.वाई पेमेन्ट– अप्रैल से लेकर अबतक 1906 के सापेक्ष 958 का पेमेन्ट हो गया है, 102 का प्रकिया में है तथा 846 पेण्डिंग में है।
- बिजली चले जाने के बाद रात में जनरेटर नहीं चलाये जा रहे थे।

- एक टायलेट को स्टोर/टायलेट के रुप में उपयोग किया जा रहा था।
- ओ.टी रुम है लेकिन सर्जन चिकित्सक न होने के कारण उपयोग नहीं हो पा रहा था।
- वाटर सप्लाई लगातार नहीं हो रही है।
- ब्लड बैंक नहीं था।
- डेन्टल व ऑख चिकित्सक एक ही रुम में बैठकर मरीजों को देख रहे थे। उस कमरे में डेण्टल चेयर खराब पड़ी थी। ऑख की जॉच के लिए विजन चार्ट नही था और प्रथम तल एक मशीन पेपर से बाधकर रखी हुई थी।
- लेप्रोसी के मरीजों का विस्तृत रिपोर्ट अनुभाग द्वारा नहीं उपलब्ध कराया गया।
- होमियापैथी चिकित्सक द्वारा मरीजों को कागज में लपेटकर गोली दी जा रही थी जिससे दवा का ज्यादातर हिस्सा कागज सोख लेता था।
- नई बिल्डिंग में वाटर सप्लाई नहीं थी।
- अस्पताल का समय सारणी, जे.एस.वाई इनटाइटलमेन्ट नहीं लिखा हुआ था।,
- शिकायत पेटिका नहीं बना हुआ।
- RMNCH+A 5 x 5 मैट्रिक्स का डिसप्ले कहीं नहीं है।
- 102 की 2 गाडियां मौके पर उपलब्ध थी ।

<u>प्राथमिक स्वास्थ्या केन्द्र–मुरादगंज</u>

पी.एच.सी. मुरादगंज पर डा0 शैलेन्द्र यादव उपस्थित थे। ओ.पी.डी संचालित कर रहे थे। निरीक्षण के समय दोपहर 1.00 बजे तक 80 मरीज देखे जा चुके थे। चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया कि पी.एच.सी पर इन्वर्टर नहीं है पूर्व में उन्होंने नीजी खर्चे पर इनवर्टर खरीदा था जो चोरी हो गया। बीपी मशीन भी स्वयं के खर्चे पर रिपेयर कराकर क्रियाशील किया गया।

विजिट के दौरान निम्न बिन्दु निकलकर आये–

- चिकित्सालय परिसर की साफ सफाई संतोषजनक थी।
- पी.एच.सी पर फार्मासिस्ट का स्थानान्तरण हो जाने के कारण दवा वितरण का आर.एन. टी.सी.पी. में कार्यरत संविदा एल.टी. के द्वारा दवा का वितरण कराया जा रहा था।
- चिकित्सालय में 4 बेड पड़े थे लेकिन मरीज भर्ती नहीं थे।
- डा0 शैलेन्द्र यादव ने बताया कि वे मनोविज्ञान में रॉची से डिप्लोमा किया है। उनसे कहा गया कि आप अपने विशेष योग्यता के अनुरुप जिला चिकित्सालय हेतु आवेदन क्यों नही करते । उन्होनें स्पष्ट रुप से बताया कि कार्य अधिक करना पड़ेगा व उनकी निजी प्रैक्टीस बाधित होगी।
- आर.एन.टी.सी.पी. की लैब क्रियाशील थी तथा डॉट्स की दवायें उपलब्ध थी।

सामुदायिक स्वास्थ्या केन्द्र–अजितमल

सी.एच.सी. अजितमल के अधीक्षक डा0 अवनीश कुमार इटावा में पोस्टमार्टम ड्यूटी पर थे। केन्द्र के अन्य चिकित्सक डा0 सुधान्शु दीक्षित फिजिशियन, डा0 ए.के. वर्मा तथा मनीष पोरवाल उपस्थित थे। डा0 विक्रम स्वरुप का डे ऑफ था। ये चिकित्सक धूप में बैठे हुए ओ.पी.डी. संचालित कर रहे थे। विभिन्न कार्यक्रमों के बारे मे जानकारी उनके द्वारा अनभिग्यता दर्शायी गयी एवं अवगत कराया कि सभी कार्य अधीक्षक ही देखते है। उनके द्वारा ओ.पी.डी. सेवाये भी दी जाती है।

विजिट के दौरान निम्न बिन्दु निकलकर आया–

- आर.बी.एस.के कार्यक्रम के अन्तर्गत डा0 रुबी, डा0 ओम देव सिंह डा0 दिलीप जोशी, डा0 जितेन्द्र कार्यरत है जो क्षेत्र में गये हुए थे।
- चिकित्सालय परिसर सफाई व्यवस्था बहुत दयनीय थी, पूछने पर पता चला कि चिकित्सालय का स्वीपर स्थानान्तरित जिला मुख्यालय में कर दिया गया।
- पैथॉलाजी कक्ष में नियमित लैब टेक्निशियन मौजूद था, सभी आवश्यक रीजेन्ट उपलब्ध थे, उसने अवगत कराया कि उसके पास कुल 5 माइक्रोस्कोप में 2 क्रियाशील है।
- लैब की सफाई व्यवस्था बड़ी दयनीय है। उसने अवगत कराया कि कई दिनों से स्वयं ही सफाई करके अपने कमरे बैठते है।
- चिकित्सालय का जनरेटर बहुत दिनों से खराब है।
- ओ.पी.डी. रजिस्टेशन कक्ष में परिवार कल्याण लॉजिस्टिक तथा आयरन की गोलियों का भण्डार है। जबकि चिकित्सालय में ओषधि भण्डार कक्ष प्रथम तल पर उपलब्ध है।
- आर.एन.टी.सी.पी. के अन्तर्गत संविदा एल.टी कार्यरत है। उसके द्वारा आज 3 स्पूटम स्लाइडे तैयार की गई है, उसके पास माइक्रोस्कोप क्रियाशील है।
- डॉट्स की दवा उपलब्ध थी।
- डॉट्स प्रोवाइडर के मानदेय भुगतान का पिछले दो वर्ष से नहीं किया गया।
- आर.एन.टी.सी.पी. कार्यक्रम की समुचित मॉनिटरिंग नहीं की जा रही है। दूरभाष पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को तत्काल कार्यवाही हेतु अवगत करा दिया गया।
- आयुष चिकित्सक उपस्थित थे। दवाओं के वितरण हेतु शिशीयां उपलब्ध नहीं थी।
- लेवर रुम में प्रसव हेतु एक महिला उपस्थित थी। प्रसव कक्ष की सफाई व्यवस्था ठीक नहीं थी।
- प्रोटोकाल लेवर रुम के बाहर लगे हुए थे।
- वायोमेडिकल वेस्ट बिन उपयोग में लाये जा रही है।
- चिकित्सालय के प्रथम तल पर ऑपरेशन थीयेटर को देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वर्षो से इसका उपयोग नहीं हो पा रहा है। सामान सब विखरे पड़े थे। नशबन्दी आपरेशन हेतु 4 टेबल कक्ष में पड़े हुए थे।
- स्टेरेलाइजेशन कक्ष मे उपकरणों पर धूल जमी हुये थे, कबूतर निवास कर रहे थे, वहॉ पहुचते हुए सभी कबूतर टूटे हुए शीशे से बाहर निकल गये।

- फर्श की टाइल्स टूटे हुए थे।
- चिकित्सालय मे ं ए.एन.एम की वीएचएनडी का प्रशिक्षण चल रहा था। मास्टर टेनर के रुप में ए.आर.ओ. उपस्थित थे। प्रशिक्षण के लिए चार्ट बोर्ड पोस्टर का उपयोग नहीं किया जा रहा था। प्रशिक्षण के लिए उपयुक्त स्थल नहीं था, सभी प्रतिभागी फर्श पर बैठ कर प्रशिक्षण ले रहे थे।

नोट–

1. ए.एन.एम का प्रशिक्षण होने के कारण आर0आई सेशन तथा वी.एच.एन.डी. बुधवार को नहीं हो पाया।
2. उपकेन्द्र अटसू एवं ..... का भ्रमण दौरान बन्द पाये गये जबकि भ्रमण की सूचना पूर्व से दी गयी थी।
3. डी.पी.एम. एवं डी.सी.पी.एम. का भ्रमण के दौरान सहयोग का आभाव दिखा।

उपरोक्त बिन्दुओं को सही करने के लिए टीम द्वारा सुझाव दिया गया।

कार्यालय मिशन निदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश
विशाल काम्प्लेक्स, 19–ए, विधान सभा मार्ग लखनऊ

पत्र संख्या : एस0पी0एम0यू0 / भ्रमण / 2015–16 / दिनांक :

महाप्रबंधक
मॉनिटरिंग एवं इवैल्यूयेशन
एस.पी.एम.यू. एन0एच0एम0

कृपया मिशन निदेशक के पत्र दिनांक 30.11.2015 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके क्रम में दिनांक 16 से 18 दिसम्बर 2015 तक टीम के साथ जनपद औरैया के जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, एवं उपकेन्द्र का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान केन्द्रों पर पायी गयी कमियों में सुधार हेतु सुझाव दिये गये। जनपद औरैया की भ्रमण निरीक्षण आख्या पत्र के साथ संलग्न कर प्रस्तुत है।

संलग्नक–यथोक्त

1. भ्रमण निरीक्षण आख्या।
2. चेकलिस्ट ।

भवदीय

(डा0 एम.आर. गौतम)
महाप्रबंधक–राष्टीय कार्यक्रम

पृष्ठांकन– एस0पी0एम0यू0 / भ्रमण / 2015–16 / तद्दिनांक :

प्रतिलिपि–

मिशन निदेशक, राष्टीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश को निरीक्षण आख्या की प्रति अवलोनार्थ।

(डा0 एम.आर. गौतम)
महाप्रबंधक–राष्टीय कार्यक्रम